फ्लुओराइड संसूचन किट
भूमिगत-जल में फ्लुओराइड के शीघ्र आकलन हेतु फील्ड-किट

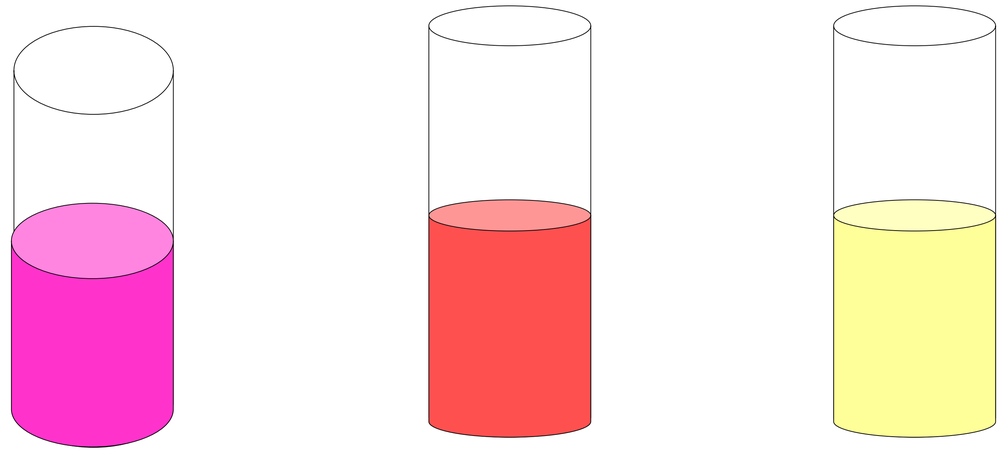

तीन भिन्न-भिन्न फ्लुओराइड सांद्रणों का रंग संबंधी संचित्र (चार्ट)

दांतों का क्षय होने से बचाने के लिए पेय जल में 1 mg/ml का फ्लुओराइड सांद्रण आवश्यक है। लेकिन, अधिक सांद्रता (>2 mg/ml) होने पर, प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, जैसे कि फ्लूरोसिस होना। भूमिगत जल में फ्लुओराइड का आकलन करने के लिए, भापअकेंद्र द्वारा दृश्य-वर्णमितीय-अभिकर्मक विकसित किया गया है। यह विधि बिना किसी यंत्र के दोनों आकलन अर्थात गुणात्मक और मात्रात्मक आकलन के लिए एकल अभिकर्मक विलायक और मानक का उपयोग करती है। इस विधि की मुख्य विशेषताएं हैं: तेजी से (<30 सेकेंड) रंग का विकास होना, तीनों स्तरों (त्रुटिपूर्ण/दोषयुक्त, सामान्य और आविषालु की सीमा वाले) में समुचित रंग भेद दिखाई देना। यह वि-फ्लुओरीडकरण किट के परिणामों का आवधिक मॉनीटरन करने के लिए भी अत्यंत उपयुक्त है।

❖ **प्रौद्योगिकी हस्तांतरण संबंधी विवरण के लिए कृपया headttcd@barc.gov.in; पर संपर्क करें।**